दिनांक–18.02.2025

UG Third Semester MIC,MDC (Philosophy)

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q. 1. रामानुज के अनुसार, ब्रह्म और जीव के बीच का संबंध क्या है?

Ans. रामानुज के विशिष्टाद्वैत वेदांत में ब्रह्म और जीव के बीच का संबंध विशिष्टता (विशेषता) और निर्भरता का है। रामानुज का मानना है कि ब्रह्म (भगवान) सर्वश्रेष्ठ और सर्वोच्च सत्ता है, जबकि जीव (आत्मा) उसकी अभिव्यक्ति है और उस पर निर्भर है।

रामानुज के अनुसार, जीव और जगत ब्रह्म के शरीर के समान हैं। जैसे शरीर आत्मा पर निर्भर होता है, वैसे ही जीव और जगत ब्रह्म पर निर्भर होते हैं। ब्रह्म और जीव अलग–अलग होते हुए भी एक–दूसरे से अभिन्न हैं। ब्रह्म जीवों का स्वामी है और जीव उसकी सेवा और भक्ति के लिए बने हैं। रामानुज का यह दृष्टिकोण भक्ति और उपासना के महत्त्व को भी स्थापित करता है।

Q. 2. रामानुज के विशिष्टाद्वैत वेदांत में ब्रह्म की विशेषताएँ क्या हैं?

Ans. रामानुज के विशिष्टाद्वैत वेदांत में ब्रह्म (भगवान) की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

सगुण ब्रह्म : ब्रह्म को सगुण माना गया है, जिसमें अनंत गुण और विशेषताएँ हैं, जैसे दया, प्रेम, और शक्ति।

2. **सर्वशक्तिमान :** ब्रह्म सर्वशक्तिमान है, जो सृष्टि का निर्माण, पालन और संहार करता है।
3. **सर्वज्ञ :** ब्रह्म सर्वज्ञ है और समस्त ज्ञान का स्रोत है।
4. **सर्वव्यापी :** ब्रह्म सर्वव्यापी है, जो प्रत्येक जीव और वस्तु के भीतर और बाहर विद्यमान है।
5. **आदि गुरु :** ब्रह्म ही ज्ञान और योग का प्रथम उपदेशक है।

Q. 3. रामानुज के अनुसार ब्रह्म और जीवात्मा का क्या संबंध है?

Ans. रामानुज के अनुसार, ब्रह्म और जीवात्मा के बीच का संबंध अंश–अंशी, शरीर–आत्मा, और सेवक–स्वामी के रूप में है:

1. **अंश–अंशी :** जीवात्मा ब्रह्म का अंश है, जैसे बूँद समुद्र का अंश होती है।
2. **शरीर–आत्मा :** ब्रह्म जगत और जीवात्मा का आत्मा है, जबकि जीवात्मा और जगत ब्रह्म का शरीर हैं।

सेवक–स्वामी : जीवात्मा ब्रह्म का सेवक है और ब्रह्म उसका स्वामी है, जो भक्ति और समर्पण की भावना को दर्शाता है।

डॉ. श्रवण कुमार मोदी
सहायक प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग
शिवदेनी राम अयोध्या प्रसाद महाविद्यालय
बारा चकिया,पूर्वी चम्पारण
मो0–9608685335
Email Id- shrawankumarmodi1973@gmail.com